Under CSR Support by
ipca Foundation
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN
ई-पाठशाला
11th GEOGRAPHY
भौतिक भूगोल के
मूल सिद्धांत
भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास
अध्याय-6 • भाग-07
07 OCT 2026 || 04:00 PM

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

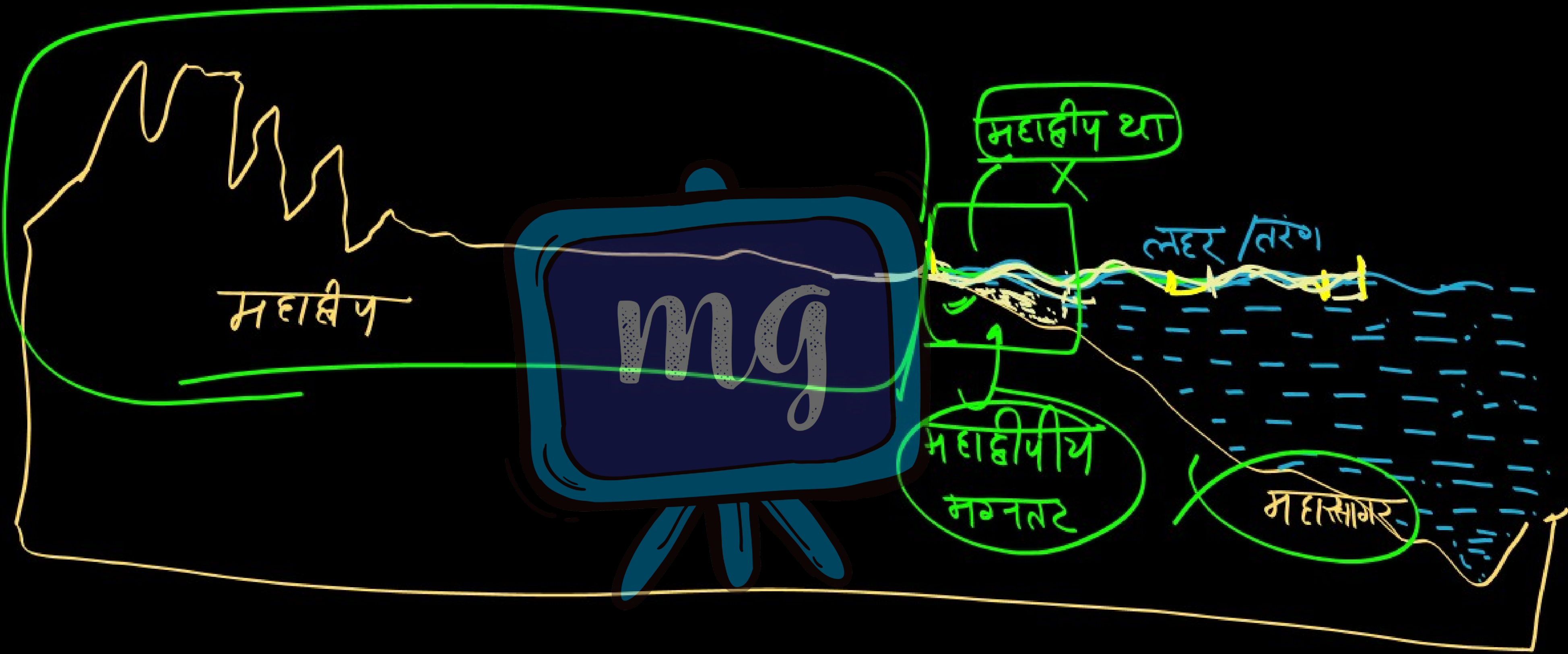

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

तरंग व धाराओं के कार्य

- तटीय प्रक्रियाएँ सर्वाधिक क्रियाशील।
- ये अत्यधिक विनाशकारी।
- एक ही स्थान पर एक मौसम में आपरदन व दूसरे मौसम में निक्षेपण।
- तट पर अधिकतर परिवर्तन तरंगों द्वारा।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

महाद्वीपीय मग्नतट

तरंग (लहर)	धारा
समुद्र	→ निश्चित दिशा प्रवाह → विस्तृत क्षेत्र में प्रवाहित

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तरंग के अतिरिक्त तटीय स्थलरूप पर अन्य कारकों का प्रभाव

- स्थल व समुद्री तल की बनावट
- समुद्रोन्मुख उन्मग्न तट या जलमग्न तट

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तटों का वर्गीकरण

समुद्री जल को स्थिर मानते हुए-

1. ऊँचे चट्टानी तट
2. निम्न अवसादी तट

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

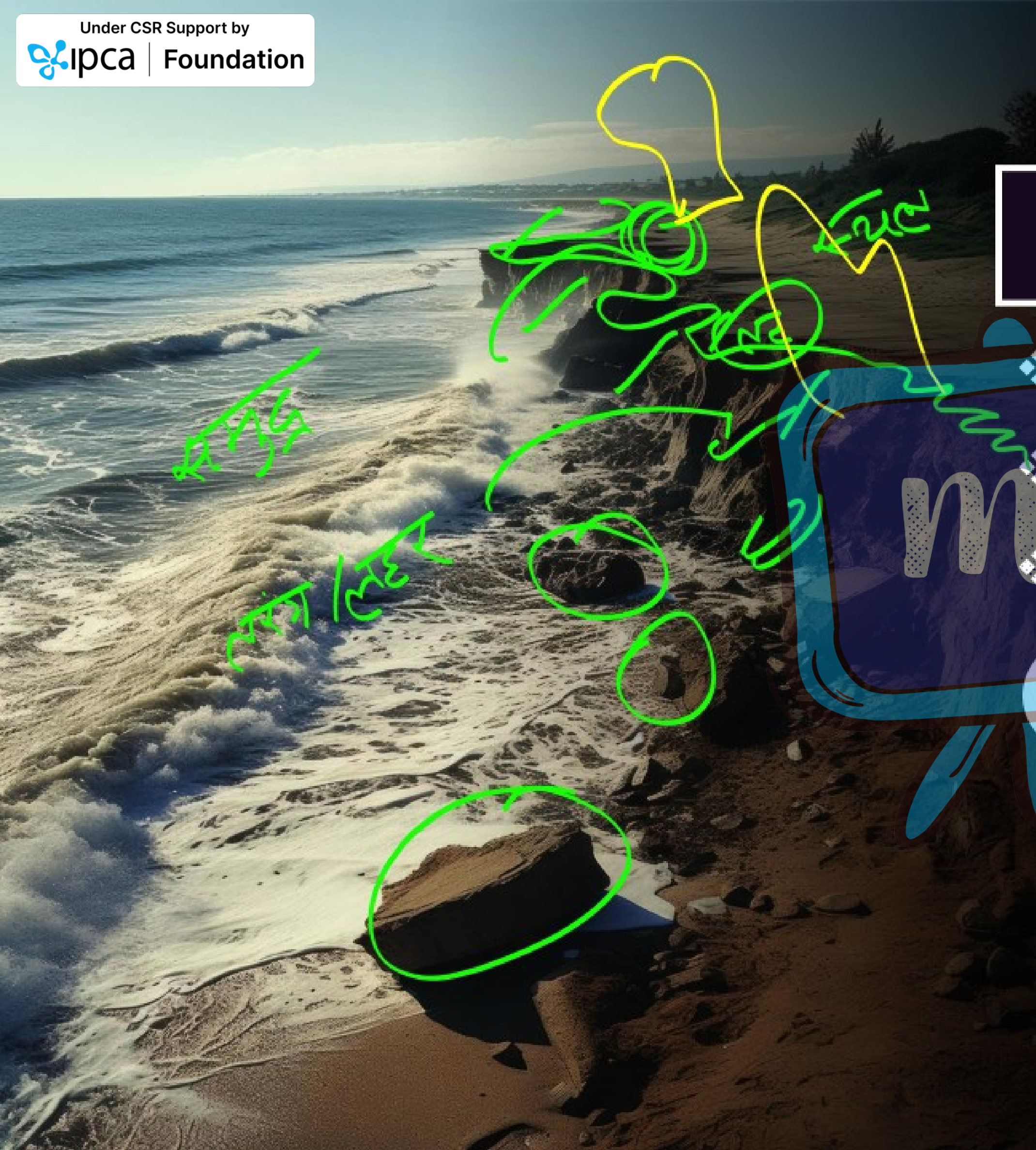

ऊँचे चट्टानी तट

- तट रेखाएँ अनियमित
- नदियाँ जलमग्न प्रतीत
- तरंग अवनमन से फियोर्ड तट

नोट

- सागरीय किनारों पर प्रारंभिक निक्षेपित स्थलरूप नहीं होते।
- अपरदित स्थलरूपों की बहुतायत होती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

भृगु

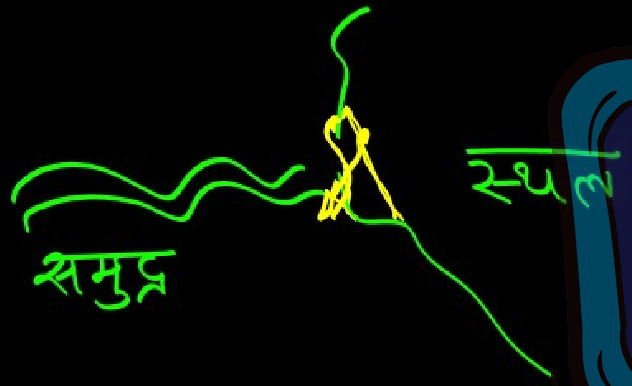

- तरंगे अवनमित होकर धरातल पर अत्यधिक बल के साथ प्रहार।
- पहाड़ी पार्श्व भृगु।

Under CSR Support by Ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

तरंग घर्षित चबूतरे

- तरंग का स्थायी प्रहार
- भृगु पीछे हटते
- तरंग घर्षित चबूतरे

नोट

तरंगें धीरे-धीरे सागरीय किनारों की अनियमितता को कम कर देती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वेदिकाएँ

- भृगु के विकास व निवर्तन के बाद तटरेखा सम।
- अतिरिक्त मलबा किनारे से दूर निक्षेपित।
- वेदिका निर्माण।

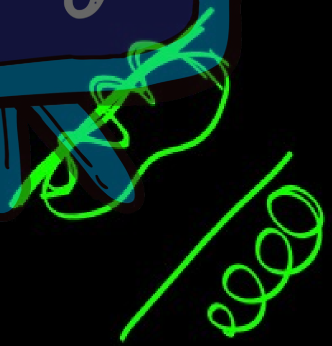

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

पुलिन व रोधिका

- वेलांचली प्रवाह व तरंगों द्वारा अपरदित पदार्थ के सागरीय किनारों पर निक्षेपण से।
- रोधिकाएँ जलमग्न।

रोध

- जल के ऊपर दिखती रोधिका।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

- ❖ रोधिका जिसका एक भाग खाड़ी शीर्षस्थल से जुड़ा हो।
- ❖ रोधिका व स्पिट खाड़ी के मुख पर निर्मित।
- ❖ मार्ग अवरूद्ध

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

तटीय मैदान

- ❖ स्थल से बहाकर लाए तलछट से लैगून भर जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

ऊँचे तट → क्लिफ निकलना ?

तरंगे

कन्द स्टैक वेदिका

पहाड़ी पार्श्व

→ मेहु

→ तरंग घर्षित चबूतरा

पुलिन

रोधिका

रोध

लैगून

→ तटीय मैदान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

निम्न अवसादी तट

- नदियाँ तटीय मैदान व डेल्टा बनाकर अपनी लंबाई बढ़ाती है
- तट रेखा सम/चिकनी
- सागरोन्मुखी स्थल की ढ़ाल मंद
- समुद्री पंक दलदल

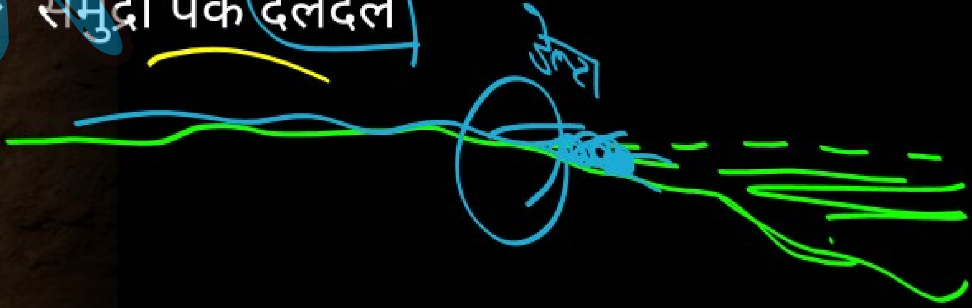

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

तटीय मैदान

- स्थल से बहाकर लाए तलछट से लैगून भर जाता है।

लैगून —कालांतर→ दलदल → तटीय मैदान

नोट

इन निक्षेपित स्थलाकृतियों का बना रहना अवसादी पदार्थों की स्थायी व लगातार आपूर्ति पर निर्भर करता है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

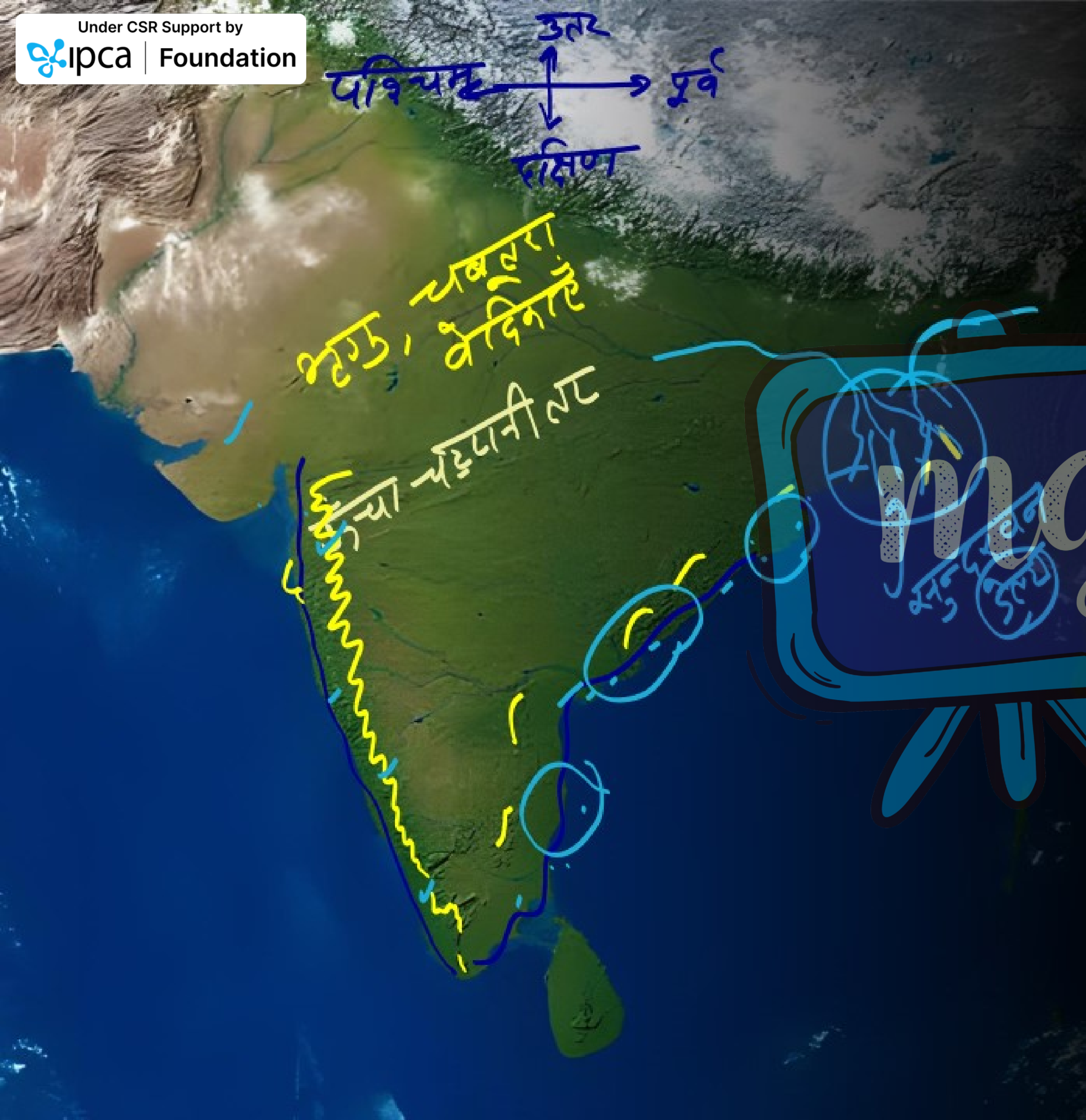

भारत का पश्चिमी तट

- ऊँचा चट्टानी तट
- अपरदित स्थलाकृतियाँ

भारत का पूर्वी तट

- निम्न अवसादी तट
- निक्षेपित स्थलाकृतियाँ

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

तरंगों /लहरों के कार्य

→ कहाँ पर होता है ⇒ तटीय भागों पर

समुद्र तट

→ ऊँचे समुद्री तट
→ अपरदनात्मक कार्य अधिक

→ निम्न अवसादी तट
→ निक्षेपणात्मक कार्य अधिक

झील

अपरदित व निक्षेपित स्थलाकृतियाँ

भारतीय तटों की स्थलाकृतिक विशेषताएँ।

परिचय mg

Under CSR Support by Ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

अपरदित स्थलरूप

भृगु

सागर किनारे की पहाड़ी के तरंगों द्वारा अपरदित होने पर निर्मित तीव्र ढाल वाली संरचना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

तरंग घर्षित वेदिकाएँ

- मंद ढाल वाला प्लेटफॉर्म जो समुद्री भृगु से प्राप्त मलबे से ढका हो।
- प्लेटफॉर्म तरंग की औसत ऊँचाई से ऊपर हो।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

समुद्री कन्दरा

- भृगु के आधार पर तरंगे टकराती
- आधार पर रिक्त स्थान निर्मित
- गहराई तक खोखला

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

समुद्री स्टैक

- कन्दराओं की छत ध्वस्त
- भृगु स्थल की ओर हटते
- चट्टानों के अवशेष अलग-थलग छूट जाते है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

नोट

- समुद्री पहाडियाँ, भृगु व स्टैक अस्थायी स्थलाकृतियाँ है, जो धीरे-धीरे तंग समुद्री मैदानों में परिवर्तित हो जाते है।
- स्थल से प्रवाहित जलोढ़ से आच्छादित रेत व शिंगिल चौड़े पुलिन में परिवर्तित हो जाते है।

Under CSR Support by Ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

निक्षेपित स्थलरूप

पुलिन (Beaches)

- नदियों व तरंगों द्वारा लाए अपरदित पदार्थों से निर्मित।
- अस्थाई स्थलाकृतियाँ।
- कुछ रेत पुलिन स्थायी प्रतीत।
- रेत के आकार के छोटे कणों से निर्मित।

Under CSR Support by ipca Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

शिंगिल पुलिन

- अत्यधिक छोटी गुटिकाओं व गोलाश्मिकाओं से युक्त पुलिन।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

टिब्बे

- पुलिन के ठीक पीछे
- पुलिन तल से उठाई गई रेत
- टिब्बे के रूप में निक्षेपित

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अपतट रोधिका

- समुद्री अपतट पर
- तट के समान्तर पाई जाने वाली रेत और शिंगिल की कटक

रोध-रोधिका

- अपतटीय रोधिका जो रेत के अधिक निक्षेपण से ऊपर दिखाई पड़ती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

स्पिट

- जब रोधिका का एक सिरा खाड़ी से जुड़ा हो।
- शीर्ष स्थल से एक सिरा जुड़ने पर भी स्पिट निर्मित।

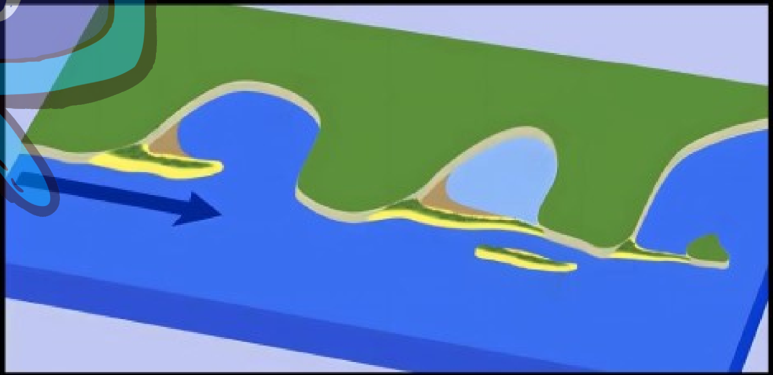

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

लैगून

रोधिका रोध स्पिट —वृद्धि→ खाड़ी का द्वार तंग —कालांतर→ लैगून

तटीय मैदान

लैगून —तलछट जमाव→ विस्तृत तटीय मैदान

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

1 | तरंग व धाराओं के अपरदन से निर्मित स्थलरूप है-

अ भृगु

ब पुलिन

स रोधिका

द उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2 तरंग व धाराओं के निक्षेपण से निर्मित स्थलरूप है-

अ कन्दराएँ

ब वेदिकाएँ

स स्पिट

द उपर्युक्त सभी

Under CSR Support by
Ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3 | निम्न में से सत्य कथन की पहचान कीजिए-

अ भारत के पश्चिमी तट पर अपरदित स्थलाकृतियाँ बहुतायत में हैं।

ब भारत के पूर्वी तट पर निक्षेपित स्थलाकृतियाँ है।

स समुद्र के अपतट पर बनी रोधिकाएँ तूफान व सुनामी लहरों के आक्रमण के समय सर्वप्रथम बचाव करती है।

द उपर्युक्त सभी सत्य है।